Result Mitra Daily Magazine

कनाडाई विदेशी हस्तक्षेप आयोग की रिपोर्ट एवं कनाडा में सिख समुदाय

❖ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में भारतीय विदेश मंत्रालय ने कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के उन आरोपों को दृढ़ता से खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की कथित संलिप्तता का आरोप लगाया था।
- भारत में कनाडाई प्रधानमंत्री के आरोप को खारिज करते हुए जस्टिन ट्रूडो पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया है।
- इसके बाद सोमवार (14 अक्टूबर) को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (RCMP) कमिश्नर ड्यूहंम द्वारा भारतीय अधिकारियों पर कनाडा की "लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप" करने का भी आरोप लगाया।
- ज्ञातव्य है कि भारत और कनाडा के बीच राजनयिक संबंध खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद अपने निचले स्तर पर है।
- कनाडा सरकार ने सितंबर 2023 में अपनी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप करने की विदेशी संभावना की जांच के लिए एक "विदेशी हस्तक्षेप आयोग" का गठन किया था।

❖ कनाडा सरकार द्वारा "विदेशी हस्तक्षेप आयोग" का गठन क्यों किया गया ?

- कनाडा का विदेशी हस्तक्षेप आयोग (FIC, Foreign Interference Commission) का तात्पर्य मुख्य रूप से किसी विदेशी राज्य या उसकी ओर से कार्य करने वाले गुप्त, भ्रामक या व्यक्तिगत रूप से धमकी देने वाले उन गतिविधियों को परिभाषित करता है, जो कनाडा के हितों के लिए हानिकारक है।
- दरअसल 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव और 2017 के फ्रांसीसी राष्ट्रपति चुनाव में रूसी हस्तक्षेप की रिपोर्ट के बाद कनाडा को "चुनाव" में विदेशी हस्तक्षेप की संभावना के बारे में सतर्क किया गया था।
- इसके बाद सितंबर 2023 में कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने एक आदेश के माध्यम से न्यायमूर्ति "मैरी–जोसी हांग" के नेतृत्व में "विदेशी हस्तक्षेप आयोग" के गठन का फैसला लिया गया।
- इस "विदेशी हस्तक्षेप आयोग" का काम कनाडा की वर्ष 2019 और 2021 की संघीय चुनाव में चीन, रूस और भारत के हस्तक्षेप की जांच करना था।
- इस संबंध में कनाडा की "विदेशी हस्तक्षेप आयोग" ने इस वर्ष 3 मई को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी तथा इसी वर्ष 31 दिसंबर तक इसकी अंतिम रिपोर्ट आनी है।

❖ FIC ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में क्या निष्कर्ष निकाला ?

- कनाडा की FIC ने अपने प्रारंभिक रिपोर्ट में इस बात को स्वीकारा कि कनाडा संघीय चुनाव प्रणाली में विदेशी हस्तक्षेप था लेकिन इससे कनाडा की चुनाव प्रणाली की अखंडता पर ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा।
- इस रिपोर्ट में कहा गया कि विदेशी हस्तक्षेप में कनाडाई नागरिको के स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार को प्रभावित किया, जिससे कनाडा लोकतंत्र में जनता के विश्वास को कम करने की कोशिश की गई।
- इस रिपोर्ट में कथित तौर पर विभिन्न प्रवासी समुदायों पर अलग-अलग तरीके से चुनाव प्रणाली को प्रभावित करने का आरोप लगाया गया।

❖ भारत की भागीदारी के बारे में रिपोर्ट क्या कहती है ?

- मई 2021 में FIC द्वारा जारी की गई रिपोर्ट में भारत को वर्ष 2019 और 2021 में कनाडा के संघीय आम चुनावों में हस्तक्षेप करने वाले एक विदेशी ताकतों के रूप में बताया गया।
- भारत के संबंध में इस रिपोर्ट में कहा गया कि कनाडा में रहने वाले भारतीय अधिकारी कनाडाई समुदाय और राजनेताओं को प्रभावित करना चाहते थे, जिसका मुख्य उद्देश्य प्रमुख मुद्दों पर कनाडा की स्थिति को भारत के हितों के साथ जोड़ना था।

Result Mitra

- इस रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय अधिकारियों ने मुख्य रूप से कनाडा स्थित स्वतंत्र सिख मातृभूमि (खालिस्तान) के समर्थकों के बारे में कनाडा की राजनीति में क्या चल रहा है, इस मुद्दे को ध्यान दिया गया।
- कनाडाई खालिस्तानी समुदाय में भारत की रुचि पर इस रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की रुचि कनाडा के खालिस्तानी समुदाय पर थी, जो भारत विरोधी भावना को बढ़ावा देते हैं और भारत की स्थिरता और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालते हैं।
- भारतीय प्रॉक्सी की भूमिका के बारे में इस रिपोर्ट में कहा गया कि प्रॉक्सी (प्रतिनिधि) भारत और कनाडा में भारतीय खुफिया अधिकारियों से संपर्क करते हैं और उन्हें दिशा–निर्देश देते हैं।

❖ चीनी भागीदारी के बारे में रिपोर्ट क्या कहती है ?

- इस रिपोर्ट में "चीन" को कनाडा के खिलाफ विदेशी हस्तक्षेप के मुख्य अपराधी के रूप में संबोधित किया गया।
- कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (CSIS) के अनुसार कनाडाई संघीय चुनाव में चीनी हस्तक्षेप सबसे अधिक था।
- इस रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2019 और 2021 की कनाडाई संघीय चुनाव में चीन ने अपने पसंदीदा उम्मीदवारों को आर्थिक रूप से समर्थन करके चुनावी प्रणाली में हस्तक्षेप किया।
- रिपोर्ट में कहा गया कनाडा स्थित चीनी अधिकारी केवल उन परिणामों का समर्थन करता है, जो चीन के आर्थिक हितों में है।
- रिपोर्ट में कहा गया कि चीनी अधिकारी मुख्य रूप से उन कनाडाई व्यक्तियों को निशाना बनाते हैं, जो कनाडा में रुतबा या प्रभाव रखते हैं।

❖ रिपोर्ट पर भारत की प्रतिक्रिया :

- भारत सरकार की विदेश मंत्रालय ने कनाडा के विदेशी हस्तक्षेप आयोग की इस रिपोर्ट को दृढ़ता से खारिज करते हुए कहा कि इस रिपोर्ट का आधार ट्रूडो सरकार की राजनीतिक महत्वाकांक्षा है, जो वोट बैंक की राजनीति पर केंद्रित है।
- भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि ट्रूडो सरकार खुले तौर पर भारत के खिलाफ अलगाववादी विचारधारा का समर्थन करती है।

❖ कनाडा में भारतीय सिख समुदाय :

- 19वीं सदी के अंत में भारत से सिख समुदाय ने कनाडा की ओर पलायन करना शुरू कर दिया था।
- वर्तमान में कनाडा की कुल आबादी का 9% प्रतिनिधित्व भारतीय सिख समुदाय का है।
- 1980 के दशक के अंत में भारत सरकार द्वारा घरेलू स्तर पर खालिस्तान समर्थक आंदोलन पर नकेल कसने के लिए चलाए गए अभियान के कारण कनाडा में खालिस्तानी सिख समुदाय की प्रवास की गति तेज हो गई।

Result Mitra

- कनाडा की सरकारी सांख्यिकी एजेंसी के अनुसार वर्ष 2001 से वर्ष 2021 के बीच कनाडा में सिख आबादी 0.9% से बढ़कर 2.1% हो गई।

❖ कनाडा में सिखों की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी :

- वर्ष 1993 में कनाडाई संसद में चुने जाने वाले पहले सिख "गुरुबक्स सिंह मल्ही" थे, जो लिबरल पार्टी से थे।
- वर्ष 2021 के कनाडाई आम चुनाव में कुल सिख सांसदों की संख्या 18 हो गई।

Result Mitra TM